मुठभेड़ में दबोचा गया जंगल में महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोपित

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपित के दाहिने पैर में लगी गोली

जासं • श्रावस्तीः एसओजी व सिरसिया पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार की रात दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपित को मुठभेड़ में दबोच लिया। आरोपित के दाहिने पैर में गोली लगी है। इलाज के लिए उसे संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा भेजा गया है। आरोपित के पास से अवैध तमंचा, कारतूस, खोखा व बाइक बरामद बरामद हुई है।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने पुलिस कार्यालय में बताया कि 17 जून को एक महिला ने सिरसिया थाने में तहरीर देकर बताया कि वह अपने घर से मायके जा रही थी। उसके गोद में एक वर्षीय बच्चा भी था। फटवा गुलरा के पास नहर पुलिया पर टेंपो से उतरते ही वहां पहले से मौजूद गुलरा निवासी अनीस उसे जंगल में खींच ले गया और दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर बच्चे को जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में सिरसिया थाने पर दुष्कर्म, चोट पहुंचाकर धमकी देने व एससी-एसटी एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम आरोपित की तलाश कर रही थी। बुधवार की रात पुलिस को आरोपित

एसओजी व सिरसिया पुलिस ने की कार्रवाई, तमंचा, कारतूस खोखा, 1050 रुपये और बाइक बरामद

गोली लगने से घायल दुष्कर्म के आरोपित को लेकर जाती पुलिस टीम • जागरण

के बारे में सूचना मिली। एसओजी व सिरसिया पुलिस टीम ने छोटकी सुइया से गुलरा मुख्य मार्ग जाने वाले मोड़ के पास घेराबंदी की। आरोपित अनीस ने पुलिस टीम को देखकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और अवैध तमंचे से फायरिंग की। आत्मरक्षा में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान मुख्य आरक्षी भोला सिंह के गिर जाने पर उन्हें कुछ चोटें आई हैं। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपित को दबोच लिया। आरोपित के पास से 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस, एक मिस कारतूस, एक खोखा, दो खोखा कारतूस 9 एमएम, मोबाइल फोन, 1050 रुपये व बाइक बरामद हुई। आरोपित के विरुद्ध सिरसिया थाने में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

इस टीम ने की कार्रवाई : गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक नितिन यादव, मुख्य आरक्षी रणविजय सिंह, तौफीक खान, अवनीश सिंह, आरक्षी ऋषभ गौड़, अभिषेक सिंह, प्रवीण यादव, सर्विलांस सेल के आरक्षी अभिषेक सिंह, अमित, सिरसिया थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय, उपनिरीक्षक पंकज सिंह, गौरव सिंह शामिल रहे।

जिले की महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

एआई व साइबर जागरूकता के क्षेत्र में श्रावस्ती बना देश का पहला जिला

सिल्वर पोलारिस अवार्ड से सम्मानित हुए एसपी

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रावस्ती। एआई व साइबर जागरूकता के क्षेत्र में श्रावस्ती ने देश के सभी जिलों को पीछे छोड़ते हुए पहला मुकाम हासिल किया है। इसके लिए कैपिटल मीडिया ग्रुप लंदन की ओर से आयोजित पोलारिस लीडरशिप समिट 2025 में एसपी घनश्याम चौरसिया को सिल्वर पोलारिस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि यह सम्मान एंटी-डिसइंफॉर्मेशन श्रेणी में श्रावस्ती को 2024 डीपफेक डिटेक्शन कंपेनिंग के लिए प्रदान किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रावस्ती पुलिस की ओर से प्राप्त किया गया पहला अवार्ड है जो एआई के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की पहल को वैश्विक मंच पर मान्यता देने का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि उनके नेतृत्व में श्रावस्ती पुलिस ने नेतृत्वशाला व इंक्लुसिव एआई के सहयोग से वर्ष 2024 में डीपफेक तकनीक के विरुद्ध जन जागरूकता और पहचान अभियान चलाया था। यह अभियान देश में जिले स्तर पर शुरू किया गया अपनी तरह का पहला प्रयास था। इसमें आम नागरिकों को डीपफेक के खतरों

प्रतास्ति पत्र के साथ एसपी व साथ में एएसपी । स्रोत पुलिस विभाग

से आगाह करते हुए तकनीकी संसाधनों के माध्यम से सुरक्षा के उपाय सिखाए गए।

नेतृत्वशाला नोएडा स्थित एक संस्थान है जो वैश्विक विषयों पर काम करता है जिससे कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ जुड़े हुए हैं। श्रावस्ती में डीपफेक डिटेक्शन विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसे संस्था की ओर से विश्व की पहली डीपफेक-थीम्ड वर्कशॉप बताया गया।

उन्होंने बताया कि कैपिटल मीडिया ग्रुप लंदन की मैनेजिंग डायरेक्टर नाजली सेलिन ओजकान की ओर से भेजे गए प्रशस्ति पत्र में उल्लेख किया गया है कि डीपफेक के विरुद्ध आपका यह अग्रणी कार्य चुनावी पारदर्शिता के लिए एक वैश्विक मानक बन चुका है। इस नवाचार के लिए श्रावस्ती पुलिस व संस्था को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के साथ श्रावस्ती पुलिस उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए तकनीक आधारित पुलिसिंग की नई दिशा की प्रेरणा बनकर उभरी है। यह सफलता समर्पित नेतृत्व, नवाचार और जनसहभागिता का प्रतीक है।